>

Title : Need to provide special financial assistance for promoting irrigation facilities in Vidharba region of Maharashtra.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): महाराष्ट्र विशेषकर विदर्भ क्षेत्र के किसानों के हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। इसी क्षेत्र में किसानों द्वारा कृषि घाटे के कारण बड़े पैमाने पर आत्महत्याएं की जा रही हैं। प्रधानमंत्री पैकेज तथा ऋणमुक्ति के बाद भी किसानों द्वारा आत्महत्याएं जारी हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यहां के किसानों को सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने के लिए अन्य प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। विदर्भ क्षेत्र के किसान अधिकतर वर्षाजल पर निर्भर खेती करते हैं इसलिए उनके उत्पादन की अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है। लागत के अनुपात में कृषि उत्पादों के उचित मूल्य का मिलना भी किसानों की बदहाली का एक बड़ा कारण है। किसानों की खेती को फायदेमंद करने के लिए सर्वप्रथम सिंचाई की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है। योजना आयोग द्वारा गठित तथ्यान्वेषी समिति ने भी विदर्भ में कृषि पंप द्वारा सिंचाई को प्राथमिकता देने की बात कही है। विदर्भ में वैनगंगा, पैनगंगा, वर्धा, उरई, गोदावरी आदि प्रमुख नदियां हैं। इस पर बांध सिंचाई परियोजना प्रस्तावित है। लेकिन बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए भूमि का अधिगृहण, वन प्रस्ताव के कारण ये वर्षों से लंबित हैं तथा बड़े पैमाने पर किसानों को ही विस्थापित होना पड़ता है। इसलिए विदर्भ की नदियों के जलस्त्रोतों को आधार बनाकर वहां बैरेज तथा लिफ्ट इरिगेशन के जरिए सिंचाई को प्राथमिकता देने की आवश्यकत है। महाराष्ट्र राज्य में नांदेड़ तथा कोल्हापुरी बांध की तर्ज पर विदर्भ के पिछड़े क्षेत्र में सिचांई उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार एक विशेष पैकेज् की घोषणा कर भारी धनराशि का आबंटन करें। विदर्भ के किसानों के पिछड़ेपन को दूर करने तथा उन्हें आत्महत्या करने से बचाने के लिए सरकार इस प्रस्ताव पर गंभीर संज्ञान लेकर कदम उठाये, ऐसा मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं।